Padma Shri



Dr. Sunil Jogi

Dr. Sunil Jogi is a renowned poet of the Hindi Kavya Manch. He is credited for reviving Hindi poetry amongst the new generation with his spell binding lyrical style of Hasya Kavita. Dr. Jogi excels in the art of stage handling and captivating the masses with his humor and simplicity in diction. He has contributed immensely to popularize Hindi poetry and literature in India as well as abroad through his writings.

2. Born on January 1, 1971 in Uttar Pradesh, Dr. Sunil Jogi did his Post Graduation and Doctorate in Hindi from the Jamia Milia Islamia University, Delhi. His contribution to the Hindi literature and propagation of the language started early as the Assistant Secretary to the Hindi Academy, Delhi. He also worked as APS to the Speaker, Lok Sabha, Parliament of India. He served Hindi as Member of the Advisory Committee of different Central Government Ministries like Power, Coal, and Railways etc. He has emerged as a youth icon and is a poet of strong presence. His poetry is considered exceptional for its unique verbal melodies and satirical tone.

3. He is not only a reputed poet but also a prolific writer. He has authored nearly 75 books in Hindi on diverse topics ranging from social issues to inspirational writings. Some of his popular works include - "Tyoharon Ke Geet", 'Maa Se Badh Kar Kaun Mahaan","Bhartiya Krantikari Mahilayein", "Kargil Ki Hunkar"/'Sacche Hindustani", "Mahan Krantikari Subhash Chandra Bose", "Sarvshrestha Vyang Kavitayein", "Mahapurushon Ke Prerak Prasang", "Swantantrata Senaniyon Ke Sansmaran", "Ek Inch Muskaan" and"Hindi Kavya Munch Ki Lokpriya Kavitayein". More than 800 of his poems have been published by various Hindi newspapers, journals and magazines.

4. For his peculiar style of presenting Hindi poetry, He has been invited by a number of countries such as U.S.A, Canada, UK.. France, Norway, Muscat, Dubai, Singapore and indonesia to show case his mettle in the field of Hindi literature. Dr. Jogi has been a part of about 5000 Kavya Sammelans in India and abroad. He has also contributed to the Indian Film Industry through his Lyrics and Bhajans. Presently, about 25 audio cassettes of his Songs, Bhajans and Hasya Kavitayein have been released. He is a popular figure on All India Radio and various TV Channels. He is loved by the audience for his art of binding words into awakening thoughts.

5. Dr. Sunil Jogi is the recipient of a number of prestigious awards and honors. He received the International Hindi Samman-2002 at Oslo, Norway; Hindi Gaurav Samman-U.K.; Hindi Samman-International Hindi Samiti, U.S.A.; Attahas Samman- Lucknow;' Om Prakash Aditya Samman and Bageshwari Samman for his outstanding contribution to Hindi literature.



डॉ. सुनील जोगी

डॉ. सुनील जोगी, हिंदी के काव्य-मंच के एक प्रतिष्ठित कवि हैं। आपको अपनी मन्त्र–मुग्ध कर देने वाली लुभात्मक और गीतात्मक शैली की हास्य कविता के सृजन और पाठ से नई पीढ़ी में हिंदी काव्य के प्रति रूचि को बढ़ाकर उसमें फिर से नई जान फूँक देने का श्रेय हासिल है। आप मंच-संचालन की कला और अपने पैने व्यंग्य और सरल शब्दों के संयोजन से प्रभावी कविताएं रचकर उनका सशक्त पाठ करके श्रोताओं के समूह को अपनी ओर बाँधे रखने की विशिष्टता रखते हैं। आपने अपने लेखों के माध्यम से भारत और विदेशों में हिंदी काव्य एवं साहित्य को लोकप्रिय बनाने में अत्यधिक योगदान किया है।

2. आपका जन्म जनवरी 01,1971 को उत्तर प्रदेश में हुआ। आपने अपनी स्नातकोत्तर (पोस्ट ग्रेजुएशन) संबंधी शिक्षा और हिंदी में डॉक्टरेट, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली से हासिल की। आपने पहले हिंदी अकादमी, दिल्ली के सहायक सचिव के रूप में कार्य करते हुए ही हिंदी साहित्य और हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के प्रति योगदान करना शुरू कर दिया। आपने भारत की संसद में लोक सभा के अध्यक्ष के अपर निजी सचिव (ए पी एस) के रूप में भी कार्य किया। आपने बिजली, कोयला और रेलवे जैसे विभिन्न केन्द्रीय सरकारी मंत्रालयों की हिंदी सलाहकार समितियों के सदस्य के रूप में हिंदी की सेवा की। आप एक युवा विभूति के रूप में उभरे हैं और आपने एक प्रभावी कवि के रूप में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवाई है। आपका काव्य, अपने अनन्य प्रवाह से युक्त, लयात्मक सुरीले शब्दों के संयोजन और व्यंग्यात्मक स्वर एवं भाव-बोध से सराबोर होने के फलस्वरूप असाधारण माना जाता है।

3. आप एक प्रतिष्ठित कवि ही नहीं हैं, बल्कि एक अत्यधिक प्रभावी लेखक भी हैं। आपने विभिन्न सामाजिक समस्याओं तथा विविध प्रेरणादायक विषयों पर हिंदी में लगभग 75 पुस्तकें लिखी हैं। आपकी कुछ लोकप्रिय रचनाओं में, "त्योहारों के गीत", माँ से बढ़कर कौन महान", भारतीय क्रांतिकारी महिलाएं", "करगिल की हुंकार", "सच्चे हिन्दुस्तानी", "महान क्रांतिकारी सुभाष चन्द्र बोस", "सर्वश्रेष्ठ व्यंग्य कविताएं", "महापुरूषों के प्रेरक प्रसंग", "स्वतंत्रता सेनानियों के संस्मरण", "एक इंच मुस्कान" और "हिंदी काव्य मंच की लोकप्रिय कविताएं" शामिल हैं। आपकी 800 से अधिक कविताएं, अनेक हिन्दी समाचार-पत्रों, जर्नलों और पत्रिकाओं में प्रकाशित की गई हैं।

4. हिंदी कविता का पाठ करने की आपकी अद्भूत शैली के फलस्वरूप आपको हिंदी साहित्य के क्षेत्र में अपना काव्य-सौष्ठव प्रस्तुत करने हेतु यू.एस.ए., कनाडा, यू.के., फ्रांस, नोर्वे, मस्कट, दुबई, सिंगापुर और इंडोनेशिया जैसे अनेक देशों द्वारा आमंत्रित किया गया है। आप भारत और विदेशों में लगभग 5000 कवि-सम्मेलनों के एक अभिन्न अंग रहे हैं। आपने अपने गीतों और भजनों के माध्यम से भारतीय फिल्म-उद्योग में भी योगदान किया है। इस समय, आपके गीतों, भजनों और हास्य कविताओं के लगभग 25 ऑडियो कैसेट जारी किए जा चुके हैं। आप ऑल इंडिया रेडियो एवं विभिन्न टी.वी. चैनलों पर लोकप्रिय व्यक्ति के रूप में छाए हुए हैं। आप उपयुक्त शब्दों के संयोजन से मर्म स्पर्शी भावों और प्रेरणाप्रद तथा उद्बोधक विचारों के समन्वय से रची अपनी मोहक कविताओं के पाठ से श्रोताओं को बांधे रखने के कौशल के फलस्वरूप उनमें बहुत लोकप्रिय हैं।

5. आपको अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों और सम्मान से नवाज़ा गया है। हिंदी साहित्य के प्रति आपके उत्कृष्ट योगदान के फलस्वरूप आपको ओस्लो,नोर्वे में अन्तरराष्ट्रीय हिंदी सम्मान; यू.के. में हिंदी गौरव सम्मान; अन्तरराष्ट्रीय हिंदी समिति; यू.एस.ए. द्वारा हिंदी सम्मान; लखनऊ में अट्टहास सम्मान; ओम प्रकाश आदित्य सम्मान और बागेश्वरी सम्मान प्रदान किया गया है।